केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने डेरी द्वारा

किसानों की आय दोगुनी करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका

पर एनडीडीबी की राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया

श्री राधा मोहन सिंह, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार ने एनडीडीबी के टी के पटेल सभागार, आणंद में 10 सितंबर 2018 को एनडीडीबी द्वारा आयोजित ''डेरी के माध्यम से किसानों की आय दोगुनी करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया।

श्री परषोत्तम रूपाला, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा पंचायती राज राज्य मंत्री, भारत सरकार; श्री ईश्वरसिंह ठाकोरभाई पटेल, माननीय सहकारिता, खेल, युवा और सांस्कृतिक गतिविधियां (स्वतंत्र प्रभार), परिवहन राज्य मंत्री, गुजरात सरकार; श्री लालसिंह वड़ोदिया, माननीय सांसद राज्य सभा; श्री दिलीपभाई पटेल, माननीय सांसद, लोक सभा तथा श्री दिलीप रथ, अध्यक्ष, राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

देश के 16 राज्यों के दूध संघों एवं उत्पादक कंपनियों के 600 से अधिक प्रगतिशील डेरी किसान इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए। किसानों की आय बढ़ाने के लिए डेरी फार्म प्रबंधन, पशु स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी रोकथाम एवं उपचार, पशु प्रजनन में प्रौद्योगिकीय विकास, सहकारिताओं के संचालन में प्रौद्योगिकी की भूमिका, कुशल खाद प्रबंधन और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर विशेषज्ञों द्वारा अभिमुखन सत्र के अलावा, डेरी किसानों को व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रदर्शनी के माध्यम से विभिन्न प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने की व्यवस्था भी की गई। कुछ महिला किसानों ने बायो गैस प्रौद्योगिकी तथा दूध संकलन में प्रयुक्त सूचना प्रौद्योगिकी, पशु पोषण एवं पशु प्रजनन के बारे में अपने अनुभव साझा किए।

श्री राधा मोहन सिंह ने **पशु आहार के लिए एनडीडीबी के गुणवत्ता चिह्न लोगो** का अनावरण किया। पशु आहार/खनिज मिश्रण पर गुणवत्ता चिह्न अंकित होने पर यह पता चलता है कि विनिर्माता ने मानक प्रचालन प्रक्रियाओं को अपना कर उन्हें क्रियान्वित किया है। निर्धारित मात्रा में खनिज पदार्थों एवं विटामिन से युक्त गुणवत्तापरक आहार खिलाने से डेरी पशुओं की प्रजनन क्षमता में सुधार होता है। गुणवत्ता चिह्न अंकित पशु आहार खिलाने के लाभों को प्रदर्शित करने वाले **एनडीडीबी के गुणवत्ता चिह्न लोगो पर बने एक टीवी विज्ञापन** का भी उन्होंने लोकार्पण किया। श्री परषोतम रूपाला ने दूध